एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

विषय – **Reflection on the effectiveness of the Startup India Scheme for Entrepreneurship Development in India''**

बी.सी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 15.07.2022 को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय था **Reflection on the effectiveness of the Startup India Scheme for Entrepreneurship Development in India''** भारत में उद्यमिता विकास हेतु स्टार्टटप इण्डिया योजना की प्रभावशीलता का समीक्षात्मक, विश्लेषण एवं मूल्यांकन किया गया। कार्यकम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे के स्वागत भाषण के साथ हुआ, देश के विभिन्न भागों से वेबीनार में सम्मिलित विषय विशेषज्ञ एवं विद्वान जनों का स्वागत किया तथा युवाओं को स्वरोजगार की ओर करने हेतु वेबीनार के आयोजन की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

- विभागाध्यक्ष डॉ. मनदीप खालसा ने वेबीनार के विषय स्टार्टअप इण्डिया एवं उद्यमशीलता के संबंध में संक्षिप्त परिचय दिया।
- कार्यकम का संचालन किया डॉ. तामेश्वरी साहू सहा. प्राध्यापक अर्थशास्त्र ने सभी विषय विशेषज्ञ वक्ताओं के अकादमिक जीवन का संक्षिप्त परिचय दिया।
- वेबीनार के प्रथम वक्ता (विषय विशेषज्ञ) डॉ. प्रो. रवीन्द्र ब्रहमे डीन सोशल साइंस एवं विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र अध्ययन शाला पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर में इनोवेटिव आइडिया का स्वागत करते हुए कहा कि कोरोना काल उपरांत स्टार्टअप स्कीम ज्यादा प्रभावशील रही, डिजिटलीकरण ने स्टार्टअप स्कीम को ज्यादा आसान बना दिया, आपने बताया कि युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी इस योजना में गतवर्ष लगभग 7 हजार स्टार्टअप हुए जिसमें 45 प्रतिशत महिलाओं के नाम पर स्टार्टअप प्रारंभ किया गया वर्तमान में विश्व संदर्भ में भारत स्टार्टअप मं तृतीय स्थान पर है। हमारे देश में लगभग 700 इनोवेटिव सेंटर संचालित है। 2016 से 2021 तक इन्क्युबेशन सेंटर में 7 प्रतिशत की वृद्वि हुई है। जो भारत की आवश्यकता से कम है।
- द्वितीय वक्ता प्रो. सी.बी. सिंग विभागाध्यक्ष, बैकिंग, अर्थशास्त्र एवं वित्त अध्ययनशाला बुंदेलखण्ड वि.वि. झांसी उत्तर प्रदेश, ने महाविद्यालय के वेबीनार आयोजन की बधाई देते हुए अपना वक्तव्य प्रारंभ किया, उन्होने कहा कि 2016–17 मं 726 स्टार्टअप थे। 2021–22 में 65861 स्टार्टअप को प्रारंभ किया गया– स्टार्टअप योजना के लाभों जैसे करों में छूट, वित्तीय पोषण, स्वप्रमाणन पर्यावरण एवं श्रम कानून के परिपालन की दशा, के विभिन्न पहलुओं की चर्चा की यूनिकार्न एवं डेकाकॉन जैसे स्टार्टअप एवं अवस्थाओं की चर्चा की स्टार्टअप के असफल होने का एक बड़ा कारण उत्पादों के लिए अच्छे बाजार की कमी को बताया स्टार्टअप के असफल

होने का 34 प्रतिशत कारण मार्केटिंग फेलियर है। महिला उद्यमिता विकास के लिए योजना अंतर्गत प्रावधानों की जानकारी दी गयी।

- तृतीय वक्ता (विषय विशेषज्ञ) डॉ. एस.के.मिश्रा एसोसियेट प्रोफेसर विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र, वाणिज्य एवं दर्शनशास्त्र अध्ययनशाला विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन म.प्र. ने इतिहास में भारत की व्यवसायिक स्थिति की आज से तुलना करते हुए खेद वक्त किया कि 16 वी शताब्दी में भारत का विश्व व्यापार में 50 प्रतिशत भागीदारी थी, आज केवल 1–1.5 प्रतिशत तक की सीमित हो गयी है। भारतीय प्रतिभा एवं श्रमशक्ति का उपयोग भारत में नहीं हो रहा है। इसका पलायन विकसित देशों की ओर हो रहा है। विश्व व्यापार में निम्न भागीदारी का प्रमुख कारण पूंजी का अभाव एवं उद्यमशीलता की कमी है। उन्होने टीयर 01 एवं टीयर 02 शहरों में स्टार्टअप की स्थिति की समीक्षा की उत्पादकता एवं निर्यात में बढ़ोत्तर कर भारत की विश्व व्यापार में भागीदारी बढ़ाया जा सकता है।
- चतुर्थ वक्ता डॉ. अभ्या जोगलेकर प्रो. होमसाइंस स्वशासी शास. स्नातकोत्तर दू.ब. महिला महाविद्यालय रायपुर ने स्टार्टअप मार्केटिंग को भिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया, अपने महाविद्यालय में इन्क्यूलेशन सेंटर के माध्यम से छात्राओं को किस प्रकार सहायता एवं परामर्श दी जाती की विस्तृत चर्चा की। स्टार्ट योजना के विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए व्यवसाय कैसे संचालित किया जा सकता की जानकारी इन्क्यूबेशन सेंटर में दी जाती है। छोटें से स्टार्टअप से ओयो (oyo) जैसी बड़ी कम्पनियां कैसी बड़ी की जा सकती है। इसकी प्रेरणा छात्र–छात्राओं को दिया, स्वरोजगार की पहल कैसे कर सकते है। इसकी जानकारी दी, विषय विशेषज्ञों के श्रोताओं के पूछे गये प्रश्नों का तार्किक जवाब दिया तथा जिज्ञासा को शांत किया।

- वेबीनार में दिये गये व्याख्यान का समीक्षात्मक विश्लेषण प्रो. पी.सी. चौधरी (सहा. प्रा. अंग्रेजी) सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्राध्यापकों ने तकनीकी सहयोग दिया तथा

  डॉ. वेदवती देवांगन सहा.प्रा. अर्थशास्त्र ने सभी विषय विशेषज्ञों सहभागियों को आभार एवं धन्यवाद प्रेषित किया। कुल 169 लोग वेबिनार में सहभागी बने, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे, डॉ. अनिता राजपुरिया, डॉ. प्रभा वेरूलकर, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. ग्रेस कुजुर, डॉ. हेमवती ठाकुर, श्रीमती सरोज प्रसाद, डॉ. अमरसिंह साहू, श्री अमरसिंह साहू, डॉ. सरला द्विवेदी, डॉ. सपना ताम्रकर सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों के सफल आयोजन के लिए अपना अमूल्य सहयोग एवं शुभकामनाएं दी।

भारतीय प्रतिभा का नहीं हो रहा है देश में उपयोग

शासकीय पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

धमतरी. पीजी कॉलेज धमतरी के अथर्शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय रिफ्लेक्षन ऑन द इफेक्टिवनेस ऑफ द स्टार्टअप इंडिया स्कीम फॉर इंटरप्रेनरशिप डेव्हलपमेंट इन इंडिया था. भारत में उद्यमिता विकास हेतु स्टार्टटप इण्डिया योजना की प्रभावशीलता का समीक्षात्मक, विश्लेशण एवं मूल्यांकन किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे के स्वागत भाषण के साथ हुआ, विभागाध्यक्ष डॉ. मनदीप खालसा ने वेबीनार के विषय का संक्षिप्त परिचय दिया तथा कार्यक्रम का संचालन किया. डॉ. तामेश्वरी साहू सहायक प्राध्यापक अथर्शास्त्र ने सभी विषय विशेषज्ञ वक्ताओं के अकादमिक जीवन का संक्षिप्त परिचय दिया. डॉ. प्रो. रवीन्द्र ब्रहमे डीन सोशल साइंस एवं विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र ने कहा कि कोरोना काल उपरांत स्टार्टअप स्कीम ज्यादा प्रभावशील रही, डिजिटलीकरण ने स्टार्टअप स्कीम को ज्यादा आसान बना दिया, उन्होंने बताया कि युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी इस योजना में गतवर्ष लगभग 7 हजार स्टार्टअप हुए जिसमें 45 प्रतिशत महिलाओं के नाम पर स्टार्टअप प्रांरभ किया गया.

वर्तमान में विश्व संदर्भ में भारत स्टार्टअप में तृतीय स्थान पर है. प्रो. सीबी सिंग विभागाध्यक्ष, बैकिंग, अथर्शास्त्र एवं वित्त अध्ययनशाला बुंदेलखण्ड विवि झांसी उत्तर प्रदेश ने 2016-17 मं 726 स्टार्टअप थे. 2021-22 में 65861 स्टार्टअप को

प्रारंभ किया गया- स्टार्टअप योजना के लाभों जैसे करों में छूट, वित्तीय पोषण, स्वप्रमाणन पर्यावरण एवं श्रम कानून के परिपालन की दशा, के विभिन्न पहलुओं की चर्चा की. डॉ. एसकेमिश्रा एसोसियेट प्रोफेसर विभागाध्यक्ष अथर्शास्त्र, वाणिज्य एवं दर्शनशास्त्र अध्ययन शाला विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन मप्र ने इतिहास में भारत की व्यवसायिक स्थिति की आज से तुलना करते हुए खेद वक्त किया कि 16 वी शताब्दी में भारत का विश्व व्यापार में 50 प्रतिशत भागीदारी थी, आज केवल 1-1.5 प्रतिशत तक की सीमित हो गयी है. भारतीय प्रतिभा एवं श्रमशक्ति का उपयोग भारत में नहीं हो रहा है. इसका पलायन विकसित देशों की ओर हो रहा है. डॉ. अभ्या जोगलेकर प्रो. होमसाइंस स्वशासी शासकीय स्नातकोत्तर दू.ब. महिला महाविद्यालय रायपुर ने स्टार्टअप मार्केटिंग को भिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया. वेबीनार में दिये गये का स्थान का समीक्षात्मक विश्लेशण प्रो. पीसी चौधरी सहायक ने किया. डॉ वेदवती देवांगन सहायक प्राध्यापक ने आभार व्यक्त किया. प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे, डॉ. अनिता राजपुरिया, डॉ. प्रभा वेरूलकर, डॉ. एके सिंह, डॉ. ग्रेस कुजुर, डॉ. हेमवती ठाकुर, सरोज प्रसाद, डॉ. अमरसिंह साहू, अमरसिंह साहू, डॉ. सरला द्विवेदी, डॉ. सपना ताम्रकर ने आयोजन में सहयोग किया.

बीसीएस कॉलेज में कार्यक्रम • भारत में उद्यमिता विकास के लिए स्टार्टटप इंडिया योजना का हुआ मूल्यांकन

स्टार्टअप विषय पर कराया ऑनलाइन सेमीनार

भास्कर न्यूज | धमतरी

बाबू छोटेलाल पीजी कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग ने शुक्रवार को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार किया। इसका विषय 'भारत में उद्यमिता विकास के ल ए स्टार्टअप इंडिया योजना की प्रभावशीलता का समीक्षात्मक, विश्लेषण एवं मूल्यांकन था। इस विषय पर देशभर से जुड़े विषय विशेषज्ञों ने स्टार्टअप की जरूरत के संबंध में अपने विचार रखे। बीते एक साल में इस क्षेत्र में हुए कामों की समीक्षा करते हुए सुझाव भी दिए।

प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे ने वेबिनार शुरुआत करते हुए देश के विभिन्न भागों से वेबिनार में शामिल

धमतरी। ऑनलाइन सेमीनार में पीजी कॉलेज की प्रोफेसर शामिल हुई।

विषय विशेषज्ञों एवं विद्वानों का स्वागत किया। युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के लिए वेबिनार को सार्थक बताया। अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मनदीप खालसा ने वेबिनार के विषय स्टार्टअप इंडिया एवं उद्यमशीलता के संबंध में संक्षिप्त परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन किया डॉ. तामेश्वरी साहू सहा. प्राध्यापक अर्थशास्त्र ने करते हुए विशेषज्ञ वक्ताओं के अकादमिक जीवन का परिचय दिया।

असफलता के लिए चेताया

प्रोफेसर सीबी सिंग विभागाध्यक्ष, बैकिंग, अर्थशास्त्र एवं वित्त अध्ययनशाला बुंदेलखण्ड विवि झांसी उत्तर प्रदेश ने महाविद्यालय के वेबिनार में बताया कि कि 2016-17 में 726 स्टार्टअप थे। 2021-22 में 65861 स्टार्टअप को शुरू किया गया। स्टार्टअप योजना के लाभों जैसे करों में छूट, वित्तीय पोषण, स्वप्रमाणन पर्यावरण एवं श्रम कानून के परिपालन की दशा के विभिन्न पहलुओं की चर्चा की। यूनिकॉर्न एवं डेकाकॉर्न जैसे स्टार्टअप एवं अवस्थाओं की चर्चा की। स्टार्टअप के असफल होने का एक बड़ा कारण उत्पादों के लिए अच्छे बाजार और 34 प्रतिशत कारण मार्केटिंग असफलता है।

छोटे से स्टार्टअप से आगे बढ़ा जा सकता है

डॉ. एसके मिश्रा एसोसिएट प्रोफेसर विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र, वाणिज्य एवं दर्शनशास्त्र अध्ययनशाला विक्रम यूनिवर्सिटी उज्जैन ने इतिहास में भारत की व्यवसायिक स्थिति की तुलना करते जानकारी दी। डॉ. अभ्या जोगलेकर प्रोफेसर होमसाइंस स्वशासी स्नातकोत्तर कॉलेज रायपुर ने स्टार्टअप मार्केटिंग को भिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया। कॉलेज में इक्यूलेशन सेंटर से छात्राओं को सहायता एवं परामर्श और छोटे से स्टार्टअप से ओयो जैसी बड़ी कम्पनियां बनाना बताया।

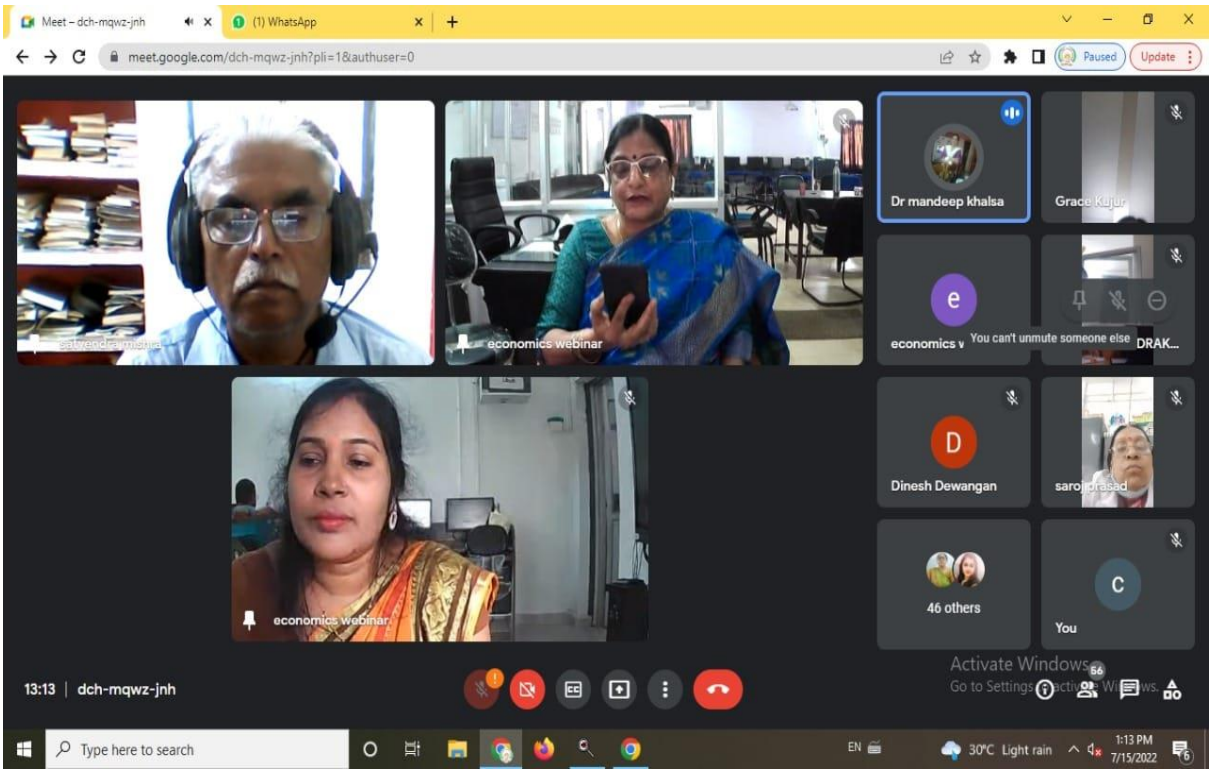
Meet – dch-mqwz-jnh
(1) WhatsApp
meet.google.com/dch-mqwz-jnh?pli=1&authuser=0
Paused
Update
economics webinar
Dr mandeep khalsa
Grace Kujur
economics v
You can't unmute someone else
DRAK...
economics webinar
Dinesh Dewangan
46 others
You
13:13 | dch-mqwz-jnh
Activate Windows
Type here to search
EN
30°C Light rain
1:13 PM
7/15/2022

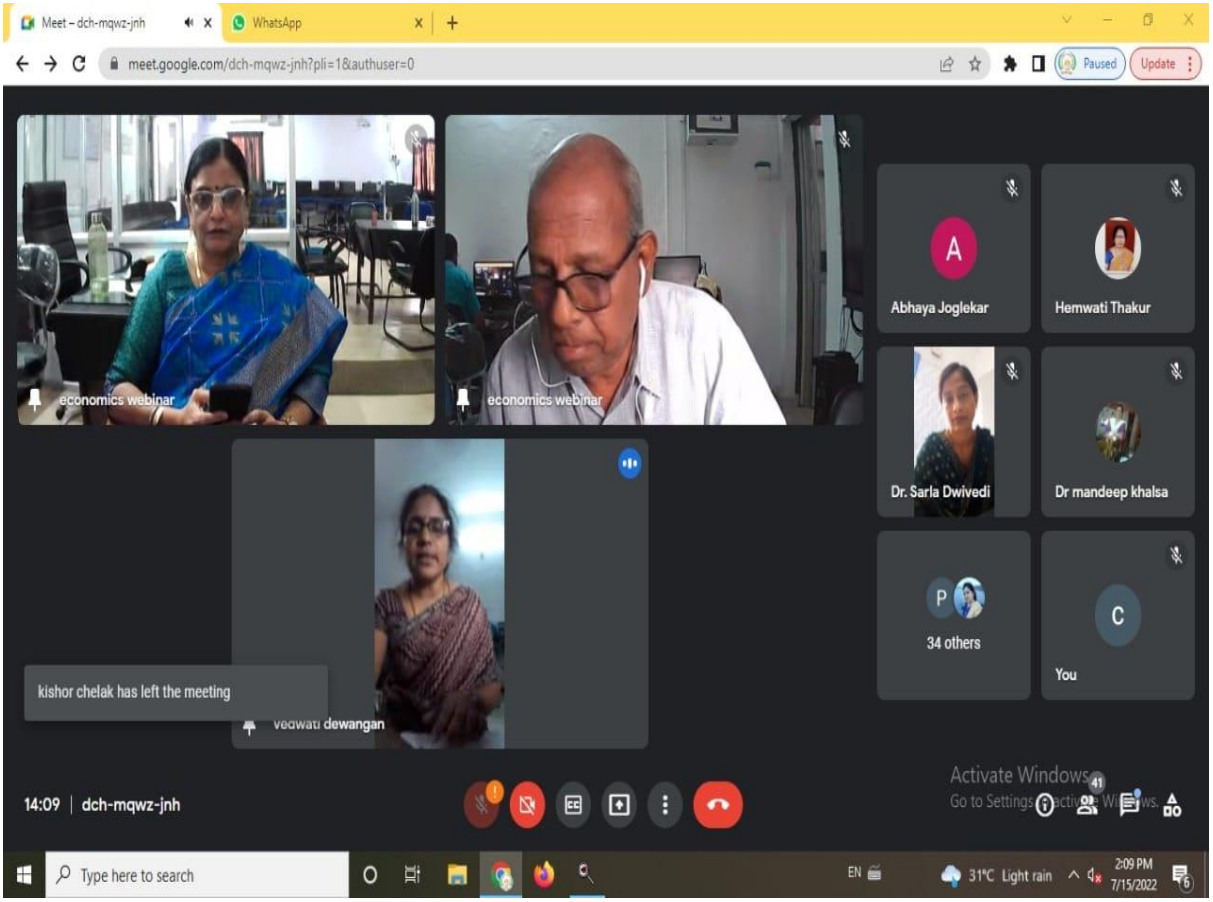
Meet – dch-mqwz-jnh
WhatsApp
meet.google.com/dch-mqwz-jnh?pli=1&authuser=0
Paused
Update
economics webinar
economics webinar
Abhaya Joglekar
Hemwati Thakur
Dr. Sarla Dwivedi
Dr mandeep khalsa
34 others
You
kishor chelak has left the meeting
Vedwati dewangan
14:09 | dch-mqwz-jnh
Activate Windows
Type here to search
EN
31°C Light rain
2:09 PM
7/15/2022

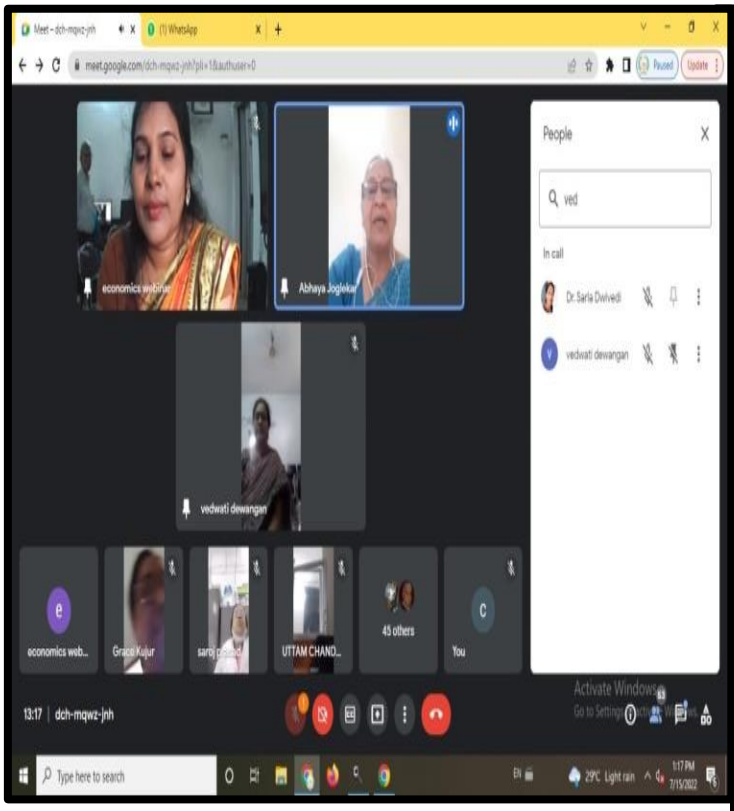

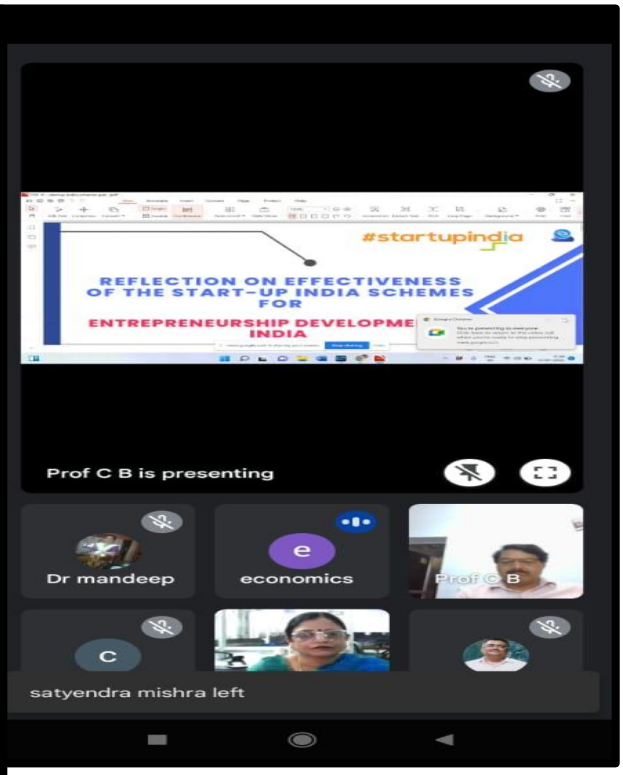

People
In call
Dr. Sarla Dwivedi
vedwati dewangan
economics webinar
Abhaya Joglekar
45 others
You
Activate Windows

#startupindia
REFLECTION ON EFFECTIVENESS OF THE START-UP INDIA SCHEMES FOR
ENTREPRENEURSHIP DEVELOPME
INDIA
Prof C B is presenting
Dr mandeep
economics
Prof C B
satyendra mishra left

11:45 AM
135K/s 4G+ VoLTE
dch-mqwz-jnh
Ravindra is presenting
vedw...
econ...
Ravi...
THANESHWAR SAHU joined

11:39 AM
84.5K/s 4G+ VoLTE
dch-mqwz-jnh
67,128
30
643
49%
720K+
11
47%
37,506
Ravindra is presenting
vedw...
econ...
Ravi...
You
PGC...
67 others

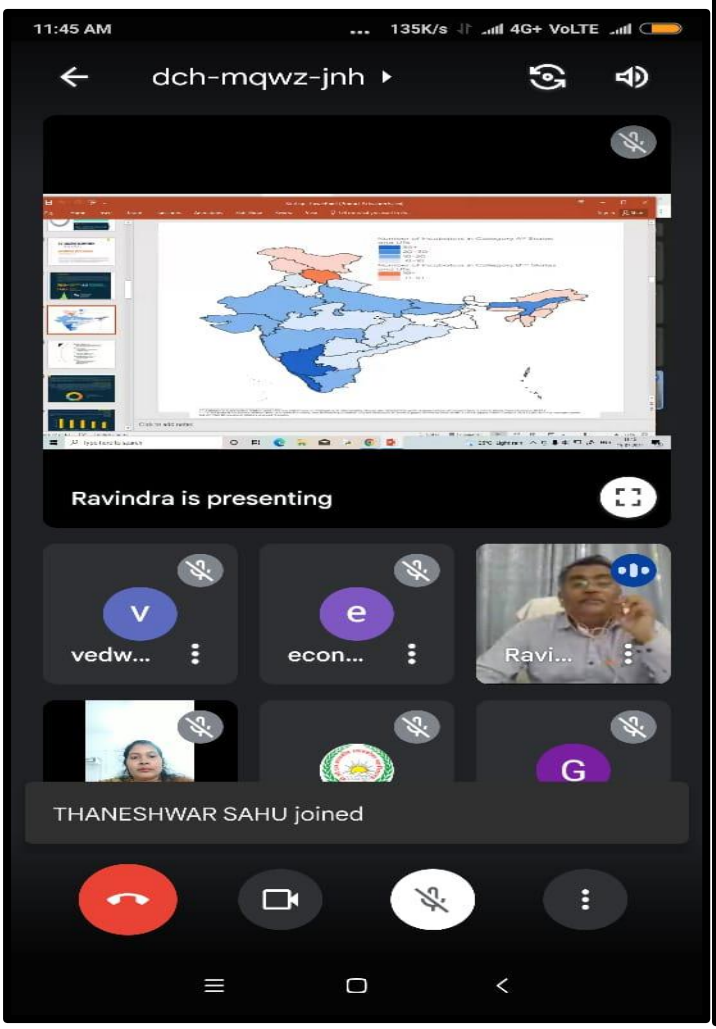

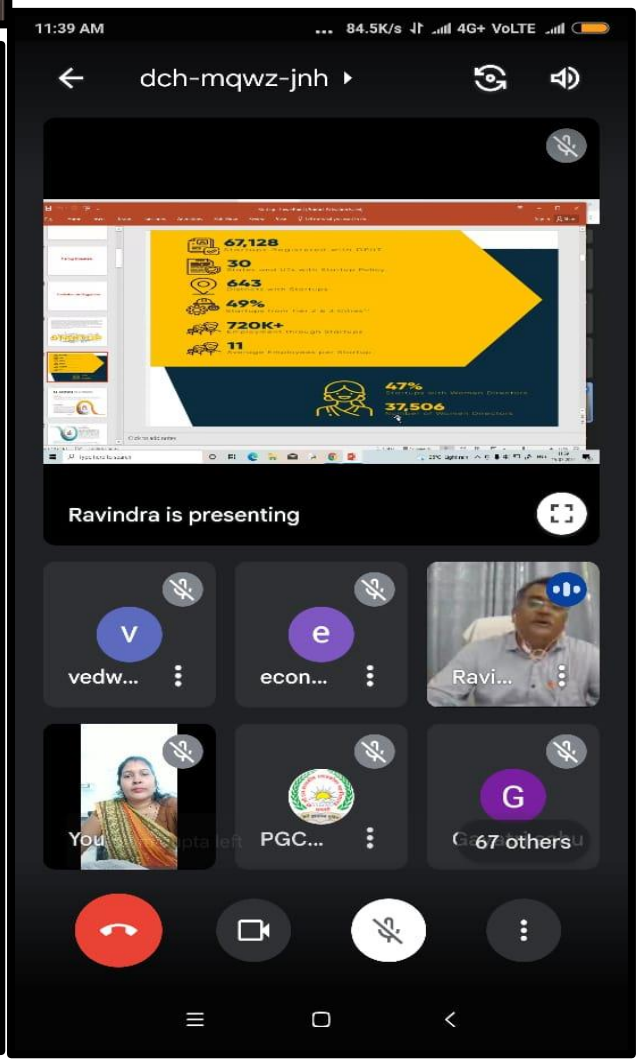

Feedback Analysis

Total number of participants was 169-

1. DESIGNATION

RESULTS

Options	%	Count
PROFESSOR	4.14	7
ASSOCIATE PROFESSOR	4.14	7
ASSISTANT PROFESSOR	74.56	126
RESEARCH SCHOLAR	8.28	14
STUDENT	4.73	8
OTHER	4.14	7

1. DESIGNATION

PIE CHART

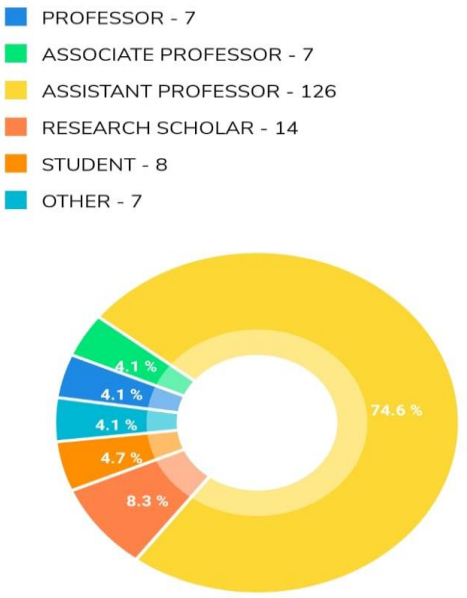

8. How was the Webinar?

RESULTS

Options	%	Count
Excellent	72.19	122
Good	27.81	47
Fair	0.00	0
Poor	0.00	0

8. How was the Webinar?

PIE CHART

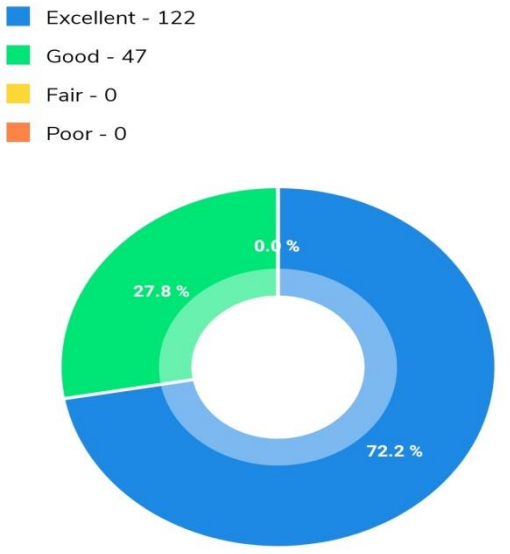

7. How do you rate the relevancy of the theme of the webinar?

RESULTS

Options	%	Count
1	2.37	4
2	2.96	5
3	4.14	7
4	26.63	45
5	63.91	108